REET 2025
LEVEL-1 & 2
वंदन बैच
हिंदी
सन्धि
LIVE
14-01-2025 11:00 AM

सन्धि (मेल | जोड़)
(विग्रह)

- स्वर - 5
  - दीर्घ
  - गुण
  - वृद्धि
  - यण
  - अयादि
- व्यंजन
- विसर्ग

सन्धि ⇒ दो वर्णों के मेल को सन्धि कहते हैं।

अथवा

दो वर्णों के सहयोग से किसी शब्द के निर्माण में जो विकार या परिवर्तन होता है।

परम + ओज = परमौज

म् + अ

अ + ओ = औ

स्वर सन्धि ⇒ यदि किसी स्वर के आगे किसी स्वर के आने से स्वर में जो परिवर्तन होता है।

विद्या + अर्थी = विद्यार्थी

आ + अ = आ

व्यंजन सन्धि ⇒ यदि किसी व्यंजन के आगे किसी स्वर अथवा व्यंजन का मेल होने से व्यंजन में जो परिवर्तन होता है।

सत् + जन = सज्जन

सत् + आचार = सदाचार

विसर्ग सन्धि ⇒ यदि विसर्ग के बाद किसी स्वर अथवा व्यंजन का मेल हो तथा विसर्ग में जो परिवर्तन होता है।

आविः + कार = आविष्कार

दुः + ऊह = दुरूह

स्वर सन्धि -

① - दीर्घ सन्धि ⇒ जब दो छोटे स्वर आपस में मिलकर (आ, ई, ऊ) हो जाए।

(आ, ई, ऊ) → सजातीय स्वर

अथवा

ट्रिक

शब्द के दूसरे या तीसरे वर्ण पर (आ, ई, ऊ) का बोध हो।

अ + अ = आ	इ + इ = ई	उ + उ = ऊ
अ + आ = आ	इ + ई = ई	उ + ऊ = ऊ
आ + अ = आ	ई + इ = ई	ऊ + उ = ऊ
आ + आ = आ	ई + ई = ई	ऊ + ऊ = ऊ

अ + अ = आ

राष्ट्र + अध्यक्ष = राष्ट्राध्यक्ष

चरण + अमृत = चरणामृत

देश + अटन = देशाटन

पूर्ण + अंक = पूर्णांक

वीर + अंगना = वीरांगना

युग + अंतर = युगान्तर

अन्न + अभाव = अन्नाभाव

स+ अवधान = सावधान

उदय + अचल = उदयाचल

अस्त + अचल = अस्ताचल

दिवस + अवसान = दिवसावसान

सत्य + अर्थी = सत्यार्थी

नयन + अभिराम = नयनाभिराम

शास्त्र + अर्थ = शास्त्रार्थ

शास्त्र + अस्त्र = शस्त्रास्त्र

गीत + अंजलि = गीतांजलि

स्व + अर्थी = स्वार्थी

अ + अ = आ

अ + आ = आ

य् + अ (या) = य् + आ

सत्य + आग्रह = सत्याग्रह

नील + आकाश = नीलाकाश

भोजन + आलय = भोजनालय

हिम + आलय = हिमालय

वात + आवरण = वातावरण

देव + आलय = देवालय

धर्म + आत्मा = धर्मात्मा

पुस्तक + आलय = पुस्तकालय

आ + अ = आ

परीक्षा + अर्थी = परीक्षार्थी

परा + अस्त = परास्त

विद्या + अर्थी = विद्यार्थी

सीमा + अंकित = सीमांकित

रेखा + अंकित = रेखांकित

सीमा + अंत = सीमांत

दीक्षा + अन्त = दीक्षान्त

आ + आ = आ

प्रतीक्षा + आलय = प्रतीक्षालय

विद्या + आलय = विद्यालय

वार्ता + आलाप = वार्तालाप

महा + आशय = महाशय

दया + आनन्द = दयानन्द

श्रद्धा + आनन्द = श्रद्धानन्द

इ + इ = ई

अति + इव = अतीव

कवि + इन्द्र = कवीन्द्र

मुनि + इन्द्र = मुनीन्द्र

अभि + इष्ट = अभीष्ट

रवि + इन्द्र = रवीन्द्र

गिरि + इंद्र = गिरीन्द्र

इ + ई = ई

प्रति + ईक्षा = प्रतीक्षा

हरि + ईश = हरीश

कपि + ईश = कपीश

परि + ईक्षित = परीक्षित

गिरि + ईश = गिरीश

मुनि + ईश्वर = मुनीश्वर

परि + ईक्षा = परीक्षा

ई + इ = ई

महीं + इन्द्र = महीन्द्र

फणी + इन्द्र = फणीन्द्र

योगी + इन्द्र = योगीन्द्र

शची + इन्द्र = शचीन्द्र

लक्ष्मी + इच्छा = लक्ष्मीच्छा

ई + ई = ई

रजनी + ईश = रजनीश

श्री + ईश = श्रीश

नदी + ईश = नदीश

पृथ्वी + ईश = पृथ्वीश

गौरी + ईश्वर = गौरीश्वर

सती + ईश = सतीश

उ + उ = ऊ

अनु + उदित = अनूदित

लघु + उत्तम = लघूत्तम

सु + उक्ति = सूक्ति

विधु + उदय = विधूदय

गुरु + उपदेश = गुरूपदेश

उ + ऊ = ऊ

लघु + ऊर्मि = लघूर्मि

साधु + ऊर्जा = साधूर्जा

धातु + ऊष्मा = धातूष्मा

अंबु + ऊर्मि = अंबूर्मि

ऊ + उ = ऊ

वधू + उत्सव = वधूत्सव

भू + उद्धार = भूद्धार

भू + उत्सर्ग = भूत्सर्ग

भू + उत्तम = भूत्तम

वधू + उपकार = वधूपकार

ऊ + ऊ = ऊ

सरयू + ऊर्मि = सरयूर्मि

भू + ऊष्मा = भूष्मा

वधू + ऊर्मि = वधूर्मि

भू + ऊर्जा = भूर्जा

ऋ + ऋ = ऋ

होतृ + ऋकार = होतृकार

पितृ + ऋण = पितृण

मातृ + ऋण = मातृण

भातृ + ऋण = भातृण